Roll No: ..... Total No of Pages: - 03

Ist Professional B.A.M.S. Examination Batch-2021 Main Examination-2023

Subject		Padartha Vigyan	
Paper		First	
Paper Code		AyUG-PV-I	
Time	3 Hours	Maximum Marks	100
		Minimum Pass Marks	50

Note: - All questions are compulsory. Marks of each question are indicated in front of them. Write answer of questions in sequence.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उनके सम्मुख अंकित है। प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

Section - A

Multiple Choice Question

(बहु विकल्पीय प्रश्न) (20 × 1)=20

सर्वाधिक सही उत्तर का चयन करें।

1. किसी तंत्र का केवल स्वयंमान्य सिद्धान्त होगा-
   (A) सर्व तंत्र सिद्धान्त (B) प्रतितंत्र सिद्धान्त
   (C) अधिकरण का सिद्धान्त (D) अभ्युयगम सिद्धान्त

2. आयुर्वेदानुसार पदार्थों का क्रम है-
   (A) द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय (B) द्रव्य, गुण, कर्म, समवाय, सामान्य, विशेष
   (C) सामान्य, विशेष, गुण, द्रव्य, कर्म, समवाय (D) सामान्य, विशेष, द्रव्य, गुण, कर्म, समवाय

3. एक शरीर के निष्क्रमण एवं दूसरे शरीर में प्रवेश किसका होता है-
   (A) जीवात्मा (B) सूक्ष्म शरीर
   (C) भूतात्मा (D) ब्रह्म

4. प्रशस्तपाद के अनुसार गुणों की संख्या है -
   (A) 17 (B) 41
   (C) 05 (D) 24

5. संयोग एवं विभाग में निरक्षेप (स्वतंत्र) कारण होता है-
   (A) द्रव्य (B) गुणा
   (C) कर्म (D) समवाय

6. तुल्यार्थता किसका लक्षण है-
   (A) द्रव्य (B) समवाय
   (C) विशेष (D) सामान्य

7. वात वृद्धि में तैल के प्रयोग द्वारा वात का शमन है-

(A) द्रव्य सामान्य
(B) द्रव्य विशेष
(C) गुण विशेष
(D) कर्म विशेष

8. द्रव्य एवं द्रव्यत्व जाति के मध्य का सम्बन्ध है-
(A) समवाय
(B) संयोग
(C) सामान्य
(D) विशेष

9. स्वस्थ व्यक्ति में रोगाभाव कहलायेगा-
(A) अत्यन्ताभाव
(B) प्रध्वंसाभाव
(C) अन्योन्याभाव
(D) प्राग्भाव

10. अनीश्वरवादी दर्शन है-
(A) चार्वक दर्शन
(B) बौद्ध दर्शन
(C) सांख्य दर्शन
(D) तीनों

11. दक्षिण-पूर्व दिशा के मध्य का कोण है-
(A) ईशान कोण
(B) आग्नेय कोण
(C) नैऋत्य कोण
(D) वायव्य कोण

12. गुणान्तरधानम् (गुणों का किसी द्रव्य में आधान करना) किसका लक्षण है-
(A) संस्कार
(B) अभ्यास
(C) प्रतिसंस्कार
(D) संयोग

13. निम्न में से कर्म नहीं है-
(A) वमन
(B) विरेचन
(C) लेखन
(D) संस्कार

14. 'मांसमाप्यते मांसेन' (मांस से मांस की वृद्धि होगा) किस सामान्य को व्यक्त करता है-
(A) एक वृत्ति सामान्य
(B) कर्म सामान्य
(C) अपर सामान्य
(D) उभयवृत्ति सामान्य

15. चिकित्सा में विशेष का उदाहरण है-
(A) प्रमेह में चक्रमण (टहलना)
(B) स्थूलता में वृंहण
(C) मांसक्षय में मांस सेवन
(D) कफक्षय में शयन

16. अपरिमित (असंख्य) पदार्थ किसने माने हैं-
(A) सुश्रुत
(B) चरक
(C) न्याय दर्शन
(D) सांख्य दर्शन

17. द्रव्य के ज्ञान का आयुर्वेद में व्यवहारिक उपयोग (Practical Application) किसमें है-
(A) रोग निदान
(B) चिकित्सा
(C) पथ्य-अपथ्य
(D) तीनों में

18. न्यायोक्त षोड्श पदार्थों में नहीं आता है-
(A) प्रमा
(B) प्रमाण
(C) प्रयोजन
(D) दृष्टान्त

19. पीलुपाक किसने माना है-

(A) वैशेषिक दर्शन (B) न्याय दर्शन

(C) सांख्य दर्शन (D) वेदान्त दर्शन

20. योग सूत्र (दर्शन) में सिद्धियों की संख्या है-

(A) 06 (B) 12

(C) 08 (D) 10

Section - B

Short Answer Question

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (8 × 5)=40

21. आयुर्वेद की शाश्वतता
22. आयुर्वेद में दर्शन की आवश्यकता
23. मन के गुण, कर्म एवं विषय
24. इन्द्रियार्थ गुणों की निदान एवं चिकित्सा में उपयोगिता
25. आयुर्वेदानुसार कर्म के भेद
26. सामान्य-विशेष के लक्षण एवं भेद
27. आयुर्वेद में अभाव की उपोयगिता
28. सत्कार्यवाद

Section - C

Long Answer Question

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (4 × 10)=40

29. सिद्धान्त की परिभाषा लिखते हुये आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्तों का विस्तृत वर्णन कीजिये।
30. महाभूतों की उत्पत्ति के सम्बन्ध में आयुर्वेद एवं दर्शन के मतों का वर्णन करते हुये आयुर्वेद में महाभूतों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिये।
31. आयुर्वेद एवं दर्शन ग्रंथों के अनुसार गुण के लक्षण, संख्या एवं वर्गीकरण का वर्णन करते हुए गुर्वादि गुणों की निदान (Diagnosis) एवं चिकित्सा में उपयोगिता का विस्तृत वर्णन करें।
32. सामान्य-विशेष की रोग-निदान एवं चिकित्सा में उपयोगिता को बताते हुए, सामान्य-विशेष के चरकोक्त लक्षण के "प्रवृत्तिरूभयस्यतु" को स्पष्ट करें।

●●●●●